वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 216 सोमवार 4 दिसम्बर 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

मोदी की गारंटी पर राजस्थान की मुहर...

जयपुर . कासं। राजस्थान में 2023 का जनादेश आ गया है। 115 सीटों के साथ भाजपा ने स्पष्ट बहुमत हासिल कर लिया है, वहीं कांग्रेस 69 सीटों पर सिमट गई है। खास बात यह है कि 2018 के चुनाव के मुकाबले इस बार कांग्रेस के वोट प्रतिशत में मामूली बढ़ोतरी हुई है, इसके बाद भी उसे 31 सीटों का नुकसान झेलना पड़ा है। कांग्रेस को उदयपुर, जोधपुर और अजमेर संभाग में बुरी तरह हार मिली है। राजस्थान में रिवाज है कि हर चुनाव में 50 प्रतिशत से ज्यादा मंत्री हार जाते हैं, ऐसा ही इस चुनाव में भी हुआ और 25 में से 68 प्रतिशत यानी 17 मंत्री अपनी सीट नहीं बचा सके।

जयपुर. कासं

जयपुर संभाग के चुनाव परिणाम में इस बार बीजेपी-कांग्रेस में कांटे की टक्कर रही। संभाग के 5 जिलों की 50 सीटों पर आए रिजल्ट में जहां बीजेपी को 26 सीटें मिली है, तो वहीं कांग्रेस ने 24 सीटों पर जीत दर्ज की है। एरिया वाइज स्थिति देखें तो शेखावाटी में सीकर-झुंझुनूं में कांग्रेस को 15 में से 10 सीटें मिली, जबकि ढूंढाड़ प्रदेश कहे जाने वाले अलवर, जयपुर, दौसा की 35 सीटों में से कांग्रेस को 14 सीटें ही मिली है। साल 2018 के चुनावों से तुलना करें तो कांग्रेस को पिछली बार इन 50 में से 30 सीटों पर जीत मिली थी, जबकि बीजेपी ने केवल 10 सीटें ही जीती थी। इसके अलावा बीएसपी के 3 और 7 निर्दलीय जीतकर आए थे।

जयपुर जिले में सीमांकन के बाद पहली बार बस्सी से पार्टी का प्रत्याशी जीता

इसी तरह जयपुर की 19 सीटों की स्थिति देखें तो पिछले चुनाव में यहां कांग्रेस ने 10 सीटें, बीजेपी ने 6 और निर्दलीय ने 3 सीटें जीती थी, लेकिन इस बार कांग्रेस को जयपुर से केवल 7 सीटें ही मिली है। जयपुर से 2 मंत्री राजेन्द्र यादव कोटपूतली से और प्रतापसिंह खाचरियावास सिविल लाइंस से हार गए। इस बार 2 मंत्रियों ने चुनाव नहीं लड़ा था, लेकिन उन दोनों सीटों पर कांग्रेस की ओर से उतारे गए दूसरे प्रत्याशियों को हार का सामना करना पड़ा। इसमें लालचंद कटारिया की झोटवाड़ा सीट और महेश जोशी की हवामहल सीट शामिल है। जयपुर से बीजेपी ने अच्छी बढ़त हासिल की है। यहां से बीजेपी ने 12 सीटें जीती है। साल 2003 के बाद जब सीमांकन हुआ था, तब से बस्सी सीट पर तीन चुनाव में निर्दलीय प्रत्याशी जीते थे, लेकिन इस बार कांग्रेस के लक्ष्मण मीणा ने जीत दर्ज करके इस क्रम को तोड़ दिया।

दौसा से 2 मंत्रियों ने गंवाई सीट

जिलेवार एनालिसिस करें तो 2018 के चुनाव में दौसा की 5 सीटों में से 4 पर कांग्रेस ने जीत दर्ज की थी, जबकि बीजेपी का यहां खाता नहीं खुला था। इस बार यहां कांग्रेस को केवल 1 सीट पर ही जीत मिली है, जबकि बीजेपी को 4 सीटों पर जीत हासिल हुई है। लालसोट सीट से चिकित्सा मंत्री परसादी लाल मीणा और सिकराय से महिला बाल विकास मंत्री ममता भूपेश को हार का सामना करना पड़ा।

अलवर में एक मंत्री हारा, एक जीता

अलवर की स्थिति देखें तो यहां साल 2018 में 11 सीटों में से कांग्रेस को 5 और बीजेपी, बीएसपी और निर्दलीय के 2-2 प्रत्याशी जीतकर आए थे। इस बार यहां कांग्रेस को एक सीट का फायदा हुआ और कांग्रेस को 6 सीटें मिली है। हालांकि यहां से दो मंत्रियों में से एक मंत्री हार गई, जबकि 1 को जीत मिली है। अलवर ग्रामीण से मंत्री टीकाराम जूली ने अपनी सीट को बचाते हुए 27333 वोटो से जीत दर्ज की है। जबकि बानसूर सीट से देवस्थान विभाग की मंत्री शकुंतला रावत तीसरे नंबर पर रहीं। इस बार अलवर से बीजेपी ने 5 सीटों पर जीत दर्ज की है। यहां की सबसे हॉट सीट तिजारा से बीजेपी के बालकनाथ ने जीत दर्ज की।

परिवहन मंत्री के हारने का रिवाज टूटा

झुंझुनूं जिले की 7 सीटों में से इस बार कांग्रेस को 5 सीटों पर जीत मिली है, जबकि साल 2018 में भी कांग्रेस को यहां से 4 सीटें मिली थी। इस बार झुंझुनूं सीट से परिवहन मंत्री बृजेन्द्र सिंह ओला ने जीत दर्ज करके 30 साल से चल रहा मिथक तोड़ दिया। पिछले 30 साल में कोई भी परिवहन मंत्री अगला चुनाव नहीं जीत सका था। यहां से पूर्व मंत्री राजेन्द्र गुढ़ा जो बीएसपी छोड़कर कांग्रेस में शामिल हुए थे। कांग्रेस से निकालने के बाद उन्होंने शिवसेना (शिंदे गुट) जॉइन की थी और चुनाव लड़ा था, वो अपनी सीट नहीं बचा पाए। गुढ़ा इस बार तीसरे नंबर पर रहे। झुंझुनूं से इस बार बीजेपी को 2 सीटें मिली है, साल 2018 में भी बीजेपी को यहां से 2 सीटें मिली थी। सीकर की 8 सीटों में से इस बार बीजेपी ने 3 सीटों पर जीत दर्ज की है। साल 2018 के चुनावों में बीजेपी को सीकर से एक भी सीट नहीं मिली थी। कांग्रेस ने इस बार यहां से 5 सीटें जीती है।

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप सन्मति जयपुर की कार्यकारिणी सभा संपन्न

सत्र 2024 - 25 के लिए मनीष -शोभना लोंग्या अध्यक्ष मनोनित

गेट टू गेदर कार्यक्रम 17 दिसंबर को

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप सन्मति जयपुर की कार्यकारिणी सभा का आयोजन टोंक रोड स्थित विमल विला रेस्टोरेंट में संपन्न हुई। सचिव अनिल-निशा संघी ने बताया कि अध्यक्ष राकेश-समता गोदिका ने णमोकार मंत्र के पाठ के साथ सभा प्रारंभ करते हुए विगत कार्यकाल का संपूर्ण हिसाब सभा पटल पर रखा तथा सभी का सहयोग के लिए आभार प्रकट किया। उन्होंने सत्र 2024 -25 के लिए ग्रुप के वर्तमान कार्याध्यक्ष मनीष - शोभना लोंग्या को अध्यक्ष पद के लिए चुनने का सभा में प्रस्ताव रखा जिसे सर्व सहमति से स्वीकार किया गया।

नेत्र जांच व रक्तदान शिविर 9 दिसंबर को

कार्याध्यक्ष मनीष लोंग्या ने बताया कि सन्मति ग्रुप द्वारा 9 दिसंबर को ग्राम झिलाय तहसील निवाई में रक्तदान शिविर व नेत्र जांच शिविर आयोजित किया जायेगा। शिविर में चयनित रोगियों के 10 दिसंबर को जयपुर स्थित डॉक्टर वीरेंद्र लेजर आई हॉस्पिटल में निशुल्क आपरेशन करवाएं जायेंगे। उल्लेखनीय है कि अभी तक लगभग 1000 व्यक्तियो के निशुल्क नेत्र प्रत्यारोपण का मानव सेवा का यह कार्य संस्था द्वारा किया गया है। सयुक्त सचिव राजेश -रानी पाटनी के अनुसार ग्रुप का आगामी गेट टू गेदर कार्यक्रम ग्रुप की महिला सदस्यो के सयोजन में आगामी रविवार, 17 दिसंबर को आयोजित किया जायेगा। उसी कार्यक्रम में मनोनित अध्यक्ष मनीष - शोभना लोंग्या द्वारा सत्र 2024 - 25 के लिए अपनी टीम का चुनाव भी किया जायेगा।

तीर्थ यात्रा संघ ने श्री तारंगा जी सिद्ध क्षेत्र पर जयकारों के साथ की वन्दना

फागी. शाबाश इंडिया। जैन धर्म के 22 वें तीर्थंकर भगवान नेमिनाथ की मोक्षस्थली पावन सिद्ध क्षेत्र गिरनार पर्वत पर वन्दना हेतु महावीर प्रसाद, विनोद कुमार , कैलाश चंद पाटनी परिवार उरसेवा निवासी की अगुवाई में जा रहे यात्रा संघ ने श्री तारंगा जी सिद्ध क्षेत्र पर शनिवार रात्री विश्राम के बाद आज प्रातः भगवान संभवनाथ के दर्शन कर अभिषेक एवं शांति धारा देखने का धर्म लाभ प्राप्त किया। साथ ही क्षेत्र पर पावन चातुर्मास 2023 में धर्म की प्रवाहना बढा रहे आर्यिका संघ में आर्यिका संगममति माताजी ससंघ के दर्शन कर मंगलमय आशीर्वाद प्राप्त किया। कार्यक्रम में जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा ने अवगत कराया कि सभी यात्रियों ने प्रातः वरदत्तमुनि राज मोक्षस्थली ,सिद्ध शिला पर्वत पर जयकारों से

पावन वन्दना कर यहां पर विभिन्न जिनालय के दर्शन करते हुए केवली भगवान की मोक्षस्थली पर जयकारों के साथ सामूहिक रूप से अर्घ्य चढ़ाकर सुख समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की, बाद में श्रेत्र पर वापिस आने के बाद वात्सल्य भोज का आनन्द लिया ,कार्यक्रम में यात्रा पुण्यार्जक महावीर प्रसाद, विनोद कुमार एवं केलास पाटनी उरसेवा निवासी ने संयुक्त रूप से अवगत कराया कि आज उक्त यात्रा दल गांधी धाम , अहमदाबाद होता हुआ गिरनार सिद्ध क्षेत्र पर रात्री विश्राम करेगा तत्पश्चात सोमवार 4 दिसम्बर को प्रातः पाटनी परिवार की तरफ से आयोजित नेमीनाथ महामंडल विधान में प्रतिष्ठाचार्य कुमुद सोनी अजमेर निवासी के दिशा-निर्देश में विभिन्न मंत्रोचारणों के द्वारा 101 इन्द्र इन्दाणी विधान में पूजा अर्चना कर धर्म लाभ प्राप्त करेंगे। तत्पश्चात उक्त यात्रा दल तलहटी के वातानुकूलित कमरों में रात्रि विश्राम करेगा, बाद में 5 दिसम्बर 2023 को प्रातः पावन सिद्ध क्षेत्र गिरनार पर्वत पर जयकारों के साथ वन्दना हेतु प्रस्थान करेगा।

अचरोल स्थित श्री मनोकामना पूर्ण पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, देशभूषण आश्रम का वार्षिकोत्सव सम्पन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया। परम पूज्य उपाध्याय ऊर्जयन्त सागर जी मुनिराज के पावन सानिध्य में रविवार, दिनांक 3 दिसंबर को प्रातः श्री पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर देशभूषण आश्रम में वार्षिकोत्सव धूमधाम से मनाया गया। प्रातः पंचामृत अभिषेक और उसके पश्चात शांति धारा का आयोजन हुआ और मंदिर के शिखर पर कलश आरोहण किया गया। देशभूषण आश्रम ट्रस्ट के सचिव संत कुमार खण्डाका ने बताया कि मन्दिर शिखर पर पूर्व में स्थापित कलश चोरी हो गए थे। उस स्थान पर पण्डित सनत कुमार जी द्वारा पुनः कलश शुद्धि कर पूर्ण मंत्रोचार के साथ कलश आरोहण कराए गए , मुख्य संयोजक रुपेंद्र छाबड़ा ने बताया कि दोपहर को 3:00 बजे पूज्य उपाध्याय श्री 108 उर्जयन्त सागर जी मुनिराज देशभूषण आश्रम से विहार कर बोरा फॉर्म पर पहुंचेगे जहां गुरुदेव का रात्रि विश्राम होगा प्रातः बोहरा फॉर्म से विहार कर गुरुदेव रूप महल पधारेंगे जहां पर प्रातः कालीन आहारचर्या संपन्न होगी, चातुर्मास व्यवस्था समिति के महामंत्री दौलत फागीवाला ने बताया कि दोपहर को गुरुदेव यहां से विहार कर आमेर स्थित श्री संकट हरण पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर फागीवाला में मंगल प्रवेश करेंगे।

ब्यावर के ज्योतिषी दिलीप नाहटा की भविष्यवाणी हुई सत्य साबित

अमित गोधा. शाबाश इंडिया

ब्यावर। भारत के सभी एग्जिट पोल मध्यप्रदेश में हुए धराशाई केवल ब्यावर जिले के एस्ट्रोलॉजर एवं हस्तरेखा विशेषज्ञ दिलीप नाहटा की भविष्यवाणी हुई सत्य साबित , ब्यावर के ज्योतिषी दिलीप नाहटा की राजस्थान में भाजपा की सरकार बनने एवं मध्य प्रदेश में भाजपा की सरकार बनने एवं मध्यप्रदेश में भाजपा की 150 से अधिक बंपर सीटें आने एवं मध्यप्रदेश में कांग्रेस की 60 से 80 सीटों के मध्य सीटें मिलने की भविष्यवाणी सत्य साबित हुई है एवं राजस्थान में अशोक गहलोत सरकार के 21 मंत्रियों में से 12 से अधिक मंत्रियों के हार जाने की भी भविष्यवाणी सत्य साबित हुई है , गौरतलब है कि राजस्थान में अशोक गहलोत सरकार के 21 मंत्रियों में से 17 मंत्री चुनाव हार गए हैं और अंततः यह भविष्यवाणी भी सत्य साबित हुई है , इसके अलावा स्पष्ट तौर से अशोक गहलोत सरकार के चार मंत्रियों के नाम भी घोषित किए गए थे जिसमें स्पष्ट कहा गया था कि ये चार मंत्री भी चुनाव हार जाएंगे , जिसमें शांति धारीवाल को छोड़कर ये तीन मंत्री चुनाव हार चुके हैं जिसमें शामिल है प्रताप सिंह खाचरियावास , बीडी कल्ला , केकड़ी से रघु शर्मा इत्यादि । ज्ञात रहें की नाहटा द्वारा लिखी गई इन तीन राज्यों की भविष्यवाणियों में से केवल मात्र छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव की भविष्यवाणी गलत साबित हुई है ।गौरतलब है की नाहटा की अब तक 400 से अधिक राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर की भविष्यवाणियां सत्य साबित हो चुकी है और आज फिर से ब्यावर के एस्ट्रोलॉजर एवं हस्तरेखा विशेषज्ञ दिलीप नाहटा ने राजस्थान एवं मध्यप्रदेश में हुए विधानसभा चुनाव का सटीक ज्योतिषीय विश्लेषण देकर पूरे राजस्थान का गौरव ज्योतिष के क्षेत्र में एक बार फिर से देशभर में बढ़ाया है और ब्यावर का नाम ज्योतिष के क्षेत्र में देशभर में फेमस कर दिया हैं , अंत में नाहटा ने राजस्थान की सत्य साबित हुई एवं मध्यप्रदेश की सत्य साबित हुई इन भविष्यवाणीयों को नीमाज गांव स्थित 1008 श्री हस्ती मल जी महाराज साहब के चरणों में समर्पित की है ।

मांडने बंदनवार की प्रतियोगिता में श्रीमति रचना नितेश जैन ने प्रथम स्थान प्राप्त किया

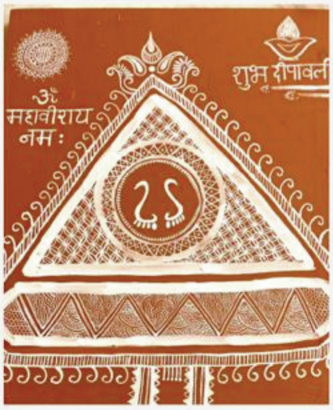

जयपुर. शाबाश इंडिया। दीपावली पर NRI टीम ने अहिंसक व पर्यावरण हितैषी घर में बने रंगोली कलर्स खड़ी गेरू के मांडने बंदनवार की प्रतियोगिता आयोजित की। प्रतियोगिता में सम्पूर्ण भारत में श्रीमती रचना जैन ने जीत हासिल की है। दिवाली के दौरान प्रामाणिक समूह की NRI टीम ने अहिंसक व पर्यावरण हितैषी घर में बने रांगोली कलर्स , खड़ी गेरू के माँड़ने, बंदनवार , और शुद्ध व्यंजन की प्रतियोगिता आयोजित की थी। प्रतियोगिता में विजेताओं को बहुत बहुत बधाई और सभी अहिंसक पदार्थों को प्रयोग करने वाले प्रतिभागियों की खूब खूब अनुमोदना। माँडना प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली त्रिशाल संभाग की श्रीमति रचना नितेश जैन जय कुमार छवि जैन बगरू वाले जयपुर की पुत्रवधू है।

वेद ज्ञान

नई निर्मिति

बीते समय की सीख नए समय व नए वर्ष का व्याकरण है। नए वर्ष को नए उत्साह व नई दृष्टि के लक्ष्य अवसर के रूप में होना चाहिए। नए समय में पुरानी रीति-नीति से नहीं चला जा सकता। परंपरा के कुछ आधार लिए जा सकते हैं, किंतु पथ नया संदर्भ चाहता है। आप नए समय के पूर्वानुमान को गलत, सही दोनों रूपों मे ले सकते हैं। दूरदर्शिता व पूर्वानुमान दो अलग-अलग विषय हैं। नए साल को दूरदर्शी तरीके से देखने का अर्थ है- संवेदनपटुता, विचारशीलता व बुद्धिमता। सत्ता संघर्ष में सब कुछ ग्राह्य होने के सिद्धांत ने सहनशीलता में कमी की है। उग्रता का परिप्रेक्ष्य इतना बढ़ चुका है कि पृथ्वी देशों की सीमाओं पर होने वाले अमानुषिक संघर्ष से दबी जा रही है। क्या मनुष्य जान माल व उसकी इयत्ता का कोई मूल्य नहीं रह गया। क्या मनुष्य जाति को स्थूल प्रश्नों में उलझा कर उसका सहज ध्रुवीकरण रोका नहीं जा रहा है, क्या तकनीक के अग्रगामी लक्षण के बदले उसे सिर्फ उपकरण में तब्दील नहीं किया जा रहा। मैं अभी गांव में हूं। जो पीली सरसों फूली है, क्या वह नए वर्ष का द्वार नहीं हो सकती, क्या किसान को उसकी कारुणिक स्थिति से उभरने का उत्ताप नए समय में नही लिया जाना चाहिए जो भूखे हमारे शहरों में कूड़े के ढेर से सुगंध की परवाह किए बगैर अन्न के दाने ढूढ़ते हैं। वे हमारी नवीनता की चुनौती नहीं होनी चाहिए, आप कहते हैं-प्रकृति इस शस्य श्यामला, सुजला, सुफला सृष्टि फूल फल धान्य से भर देती है, किंतु हमने ही प्रकृति को दूषित व मनुष्य रोधी बनाना शुरू कर दिया है कि उसकी स्वाभाविक सुगंध नष्ट हुई चली जा रही है। दरअसल एकवचनात्मकता तक रुक जाना नए वर्ष में छोड़ना होगा। हमें बहुवचनात्मकता की ओर बढ़ना होगा। हमें अपने में औरों के लिए भी जगह तलाशनी होगी। हाशिए के जन मुख्यधारा में लाने होंगे। सिंथेटिक से ज्यादा नैसर्गिकता पर भरोसा जगाना होगा। विचार, धर्म, राजनीति, नस्ल, जाति, क्षेत्र को विभेद के कारण के रूप में नहीं लेना होगा। इन्हें सहज समन्वय का आधार बनाना होगा। जो कालखंड बीत गया, वह वापस कभी नहीं लौटेगा, किंतु जो नया वर्ष हम जी रहें हैं उसे चाहें तो सकारात्मक, आत्मीय व प्रत्यक्ष बना सकते हैं, जिसमें मांगल्य, प्रगति व समानता तथा भयहीनता संबोधित हो।

संपादकीय

सकल घरेलू उत्पाद में संतुलित वृद्धि दर जरूरी

चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर अनुमान से कहीं अधिक दर्ज होने से स्वाभाविक ही अर्थव्यवस्था को लेकर उत्साह का वातावरण है। भारतीय रिजर्व बैंक ने इस तिमाही में वृद्धि दर 6.5 फीसद रहने का अनुमान लगाया था, मगर यह 7.6 फीसद दर्ज हुई है। इसमें निर्माण और विनिर्माण क्षेत्र का प्रदर्शन पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में बहुत अच्छा रहा। पिछले वर्ष की दूसरी तिमाही में विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि दर जहां -3.8 रही, वहीं इस वर्ष 13.9 फीसद दर्ज हुई। इसी तरह निर्माण क्षेत्र की वृद्धि दर पिछले वर्ष की 5.7 फीसद की तुलना में 13.3 फीसद देखी गई। इन दोनों क्षेत्रों के बेहतर प्रदर्शन के चलते सेवा, कृषि आदि अन्य क्षेत्रों में वृद्धि दर धीमी रहने के बावजूद सकल वृद्धि दर पिछले वर्ष की 6.2 फीसद की तुलना में इस वर्ष 7.6 फीसद दर्ज हुई। निश्चित रूप से इस वृद्धि दर से अगली दो तिमाहियों में वृद्धि दर का दबाव कम हो गया है और रिजर्व बैंक के इस वर्ष

की कुल वृद्धि दर 6.5 फीसद के लक्ष्य तक पहुंचना आसान हो गया है। रिजर्व बैंक का मानना है कि अगली दो तिमाहियों में भी प्रदर्शन बेहतर रहेगा। स्वाभाविक ही, इससे अर्थव्यवस्था के और मजबूत होने की उम्मीद बढ़ गई है। इस समय जब दुनिया के तमाम देश मंदी और महंगाई के दौर से गुजर रहे हैं, तब भारत में वृद्धि दर का रुख ऊपर की तरफ रहना निवेश की संभावनाओं को प्रबल बनाता है। कोरोना महामारी और पूर्णबंदी के बाद निर्माण और विनिर्माण क्षेत्र एक तरह से ठप पड़ गए थे, जिसका असर विकास दर पर साफ दिखने लगा था। मगर इन क्षेत्रों ने जल्दी ही रफ्तार पकड़ ली और इस वर्ष की दूसरी तिमाही तक पहुंच कर अपनी पुरानी लय में लौट आए हैं। हालांकि दूसरे क्षेत्रों में चुनौतियां अभी बनी हुई हैं। सेवा क्षेत्र, जिसमें होटल, व्यापार, परिवहन और संचार में मंदी देखी गई है। इस क्षेत्र में पिछले वर्ष की दूसरी तिमाही में 9.4 फीसद के मुकाबले इस बार महज 5.8 फीसद वृद्धि दर्ज हुई। इसी तरह कृषि क्षेत्र का प्रदर्शन पिछले वर्ष के 2.5 फीसद की तुलना में 1.2 फीसद देखा गया। इन क्षेत्रों में सबसे अधिक लोग काम पर लगे होते हैं, इसलिए यह चिंता का विषय है। इस वृद्धि दर में एक विरोधाभास यह भी है कि पिछले वर्ष के 8.3 फीसद की तुलना में निजी व्यय घट कर 3.1 फीसद दर्ज हुआ, फिर उधारी की दर में भी बढ़ोतरी दर्ज हुई, इसके बावजूद निर्माण और विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि दर में उछाल देखा गया। अर्थव्यवस्था में स्थायी मजबूती के लिए सभी क्षेत्रों के सकल घरेलू उत्पाद में संतुलित वृद्धि दर जरूरी होती है। इस दृष्टि से भारतीय अर्थव्यवस्था के सामने चुनौतियां अभी समाप्त नहीं हुई हैं। फिर, महंगाई पर काबू पाना कठिन बना हुआ है, वैश्विक उथल-पुथल की वजह से कच्चे तेल की कीमतें नीचे नहीं आ रहीं। छोटे, मझोले और सूक्ष्म उद्योगों की स्थिति अब भी बेहतर न होने की वजह से रोजगार का संकट बना हुआ है। राजकोषीय घाटा कम नहीं हो पा रहा। आयात और निर्यात में संतुलन कायम करना कठिन बना हुआ है। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

जलवायु की फिक्र

दुनिया भर में बढ़ते तापमान और जलवायु परिवर्तन को लेकर पिछले कई वर्ष से लगातार चिंता जताई जा रही है। अब इसकी वजहें स्पष्ट हैं। मगर मुश्किल यह है कि जब भी उन वजहों को दूर करने की बात आती है, तो विकसित देश अपनी भूमिका को कम करके पेश करते हैं। और इसके हल के लिए उठाए जाने वाले कदमों को लागू करने की जिम्मेदारी विकासशील देशों पर थोप देते हैं। जबकि समूची धरती पर जलवायु संकट जिस स्तर तक गहरा हो चुका है, उसमें मुख्य रूप से विकसित देशों की जिम्मेदारी रही है। इसके बावजूद इस मसले पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आयोजित हर बैठक या सम्मेलन में तीसरी दुनिया के या विकासशील देशों ने समस्या के समाधान को लेकर अपेक्षित गंभीरता दिखाई है, उसमें अपनी ओर से हर संभव योगदान किया है। इसी को इंगित करते हुए प्रधानमंत्री ने विकास देशों को अपेक्षित जलवायु वित्तपोषण और प्रौद्योगिकी संबंधी हस्तांतरण सुनिश्चित करने का आह्वान करते हुए कहा कि इस पर गौर किया जाना चाहिए कि इन देशों ने जलवायु संकट बढ़ाने में कोई योगदान नहीं किया है, इसके बावजूद वे इसके समाधान का हिस्सा बनने के इच्छुक हैं। दरअसल, सीओपी28 में भाग लेने दुबई गए प्रधानमंत्री ने एक तरह से जलवायु संकट पर विकासशील देशों के सामूहिक रुख को प्रतिनिधि स्वर दिया है। सच यह है कि बढ़ते तापमान और उसकी वजह से पैदा होने वाली पर्यावरणीय समस्या के पीछे विकसित देशों की ही भूमिका ज्यादा है। खासकर कार्बन डाई आक्साइड के उत्सर्जन को लेकर दुनिया भर में विशेष उपायों को अपनाने या लागू करने पर जोर दिया जाता है। इस समस्या के बढ़ने में अपनी बहुत बड़ी जिम्मेदारी न होने के बावजूद कार्बन उत्सर्जन कम करने को लेकर जब भी कोई मानक तय किया गया, उस पर अमल के लिए विकासशील देशों ने अपनी ओर से हर संभव उपाय किए, सरोकार जताया, जबकि विकसित देशों ने अलग-अलग कारण बता कर इसमें भागीदारी निभाने को लेकर टालमटोल ही किया। कई बार ऐसे मौके आए जब विकासशील देशों को आर्थिक सहायता मुहैया कराने के मामले में पर्यावरण असंतुलन की कसौटी बनाया गया। इसे रेखांकित करते हुए प्रधानमंत्री ने भी कहा कि जलवायु वित्तपोषण पर प्रगति इस मसले पर जरूरी कार्रवाई पर बढ़ती महत्त्वाकांक्षाओं के अनुरूप दिखनी चाहिए। यह किसी से छिपा नहीं है कि जलवायु परिवर्तन एक सामूहिक चुनौती है, जिससे निपटने के लिए एकीकृत वैश्विक प्रतिक्रिया की आवश्यकता है। जहां तक भारत का सवाल है, नवीकरणीय ऊर्जा, ऊर्जा दक्षता और संरक्षण, वनीकरण जैसे कई क्षेत्रों में भारत की उपलब्धियां इसकी प्रतिबद्धता का सबूत हैं। यह सब दरअसल जलवायु संकट या बढ़ते तापमान की समस्या को दूर करने के लिए कार्बन उत्सर्जन को कम करने के लक्ष्य से उठाए गए कदम हैं। भारत के अलावा भी विकासशील देशों ने अपनी सीमा में इस मसले पर योगदान दिया है, ताकि इस वैश्विक चिंता से निपटने में मदद मिल सके। हालांकि यह समझना मुश्किल है कि बढ़ते तापमान को एक सबसे बड़े संकट के रूप में पेश करने वाले विकसित देश अपने यहां कार्बन उत्सर्जन को नियंत्रित करने या कम करने को लेकर ईमानदार पहल क्यों नहीं करते। जरूरत इस बात की है कि जिन विकासशील देशों में इस समस्या के हल को लेकर अपेक्षित गंभीरता दर्शाई जा रही है, उन्हें वित्तीय सहायता मुहैया कराई जाए। मगर जलवायु संकट में कमी तब तक संभव नहीं है, जब तक विकसित देश इस दिशा में जरूरी इच्छाशक्ति के साथ काम न करें।

जनकपुरी में हुई अहिंसक शाकाहार पर संगोष्ठी

आचार्य वसुनन्दी के आह्वान ''अहिंसक अहार'' को जाने समझे व अपनाये : मुनि ज़िनानन्द

जन्म से कोई मांसाहारी नहीं होता : डा. किरण प्रकाश शास्त्री

सेल्फी स्टैंड पर आकर उपस्थित समाज ने लिए शाकाहार के नियम

जयपुर. शाबाश इंडिया

जनकपुरी ज्योति नगर जैन मंदिर में आचार्य वसुनन्दी महाराज के शिष्य मुनि सर्वानन्द मुनि जिनानंद व मुनि पुण्या नन्द महाराज ससंघ के पावन सानिध्य में ह्लअहिंसक शाकाहारह्व विषय पर एक विचार गोष्ठी राजस्थान जैन साहित्य परिषद एवं धर्म जागृति संस्थान राजस्थान द्वारा रविवार को प्रातः आयोजित की गई। जनकपुरी प्रबंध समिति अध्यक्ष पदम जैन बिलाला ने भगवान नेमिनाथ की पावन धरा जनकपुरी में सभी का शाब्दिक स्वागत अभिनंदन किया। मंगलाचरण शकुन्तला बिंदायक्यकव मंजु पाटनी ने तथा दीप प्रज्वलन डॉ. इंद्र कुमार जैन ने किया। मुख्य वक्ता डॉ. किरण प्रकाश शास्त्री व साहित्य परिषद के अध्यक्ष डॉ विमल कुमार शास्त्री के सम्मान के बाद गुरु आज्ञा प्राप्त कर संगोष्ठी संयोजक महावीर चाँदवाड ने मुख्य वक्ता को संबोधन हेतु आमंत्रित किया। शास्त्री जी ने अहिंसा,

अहिंसक आहार व शाकाहार का शास्त्रोक्त विवेचन किया तथा गुणस्थानो पर हिंसा की चर्चा में बताया कि जहाँ तक मोह है वहाँ तक हिंसा है और मोह ग्यारहवें गुणस्थान तक रहता है । इन्होंने कहा कि कोई भी प्राणी जन्म से माँसाहारी नहीं होता ।वर्तमान में चल रहे लाल और हरे निशान पर चर्चा में बताया कि हमें बंद पेकट पर लिखे ई (ए) वर्णन की भी पूरी जानकारी करनी चाहिए ।इस संबंध में भागचंद जैन मित्रपुरा की जिज्ञासा में बताया कि यिस्ट आदि मांसाहारी है ।इस पर सभी ने फिर कभी गहन व लम्बी चर्चा रखने की भावना व्यक्त की। मुनि ज़िनानंद जी ने कहा कि पूज्य गुरु वसुनंदी जी ने जैन धर्म के सिद्धांत को परिपालना के क्रम में वीर निर्वाण स० 2550 को अहिंसकाहार वर्ष मनाने हेतु आह्वान किया है ।शाकाहार मन को निर्मल करता है तथा रात्रि भोजन पर शास्त्रों में गंभीर टिप्पणी बाबत बताया। मुनि श्री ने सभी को रात्रि भोजन त्याग करने हेतु प्रेरित किया । आचार्य विद्यासागर जैसे राष्ट्र संत के बारे में बताया गया कि उन्होंने हरि वस्तु का भी त्याग कर रखा है। साहित्य परिषद के अध्यक्ष ने इस तरह के बड़े आयोजन आचार्य वसुनंदी जी के सानिध्य में शीघ्र ही करने का प्रस्ताव दिया। धर्म जागृति संस्थान के प्रांतीय अध्यक्ष पदम जैन बिलाला ने बताया कि पूरे देश में राजस्थान प्रांत ने ऐसे कार्यक्रम की शुरूआत की है ।पूरे वर्ष के कार्यक्रम व सेल्फी स्टैंड आदि के बारे में बताते हुए कोषाध्यक्ष पंकज लुहाड़िया ने सभी को सेल्फी स्टैंड पर आकर शाकाहार के नियम लेने हेतु आग्रह किया और देखते देखते सैकड़ों सदस्यों ने सेल्फी स्टैंड पर आकर नियम की तख्ती के साथ फोटो खिंचवायी। सभा में परिषद के महेश चाँदवाड, हीरा चंद बैद, सुभाष चौधरी, सुदर्शन पाटनी, संस्थान के ज्ञान चंद जैन, सुनील पहाड़िया, महेश काला ,सुनील सेठी ,सोभाग अजमेरा, राजेंद्र ठोलिया ,सुरेश शाह ,मयंक पाटनी, राजेंद्र पापड़ीवाल जनकपुरी के देवेंद्र कासलीवाल, मिश्री लाल काला ,धन कुमार शाह, महावीर बिंदायक्यक, नवीन सेठी, अजय जैन मीरा मार्ग के सुशील पहाड़िया सहित समाज के गणमान्य सदस्यों की सहभागिता रही । संगोष्ठी का समापन साहित्य परिषद व धर्म जागृति संस्थान राजस्थान प्रान्त को मुनि श्री के विशेष आशीर्वाद के साथ हुआ।

हमारे सम्मानीय विधायक कालीचरण जी को पुन: भारी बहुमत से विजयी होने पर बधाई दी...

अनुराग्यम डांस लीग सीजन 3 में 80 सेमीफाइनलिस्ट चयन किए गए

सुशी सक्सेना. शाबाश इंडिया

अनुराग्यम डांस लीग सीजन 3 (एडीएल) में 80 सेमीफाइनलिस्ट को सेमीफाइनल्स के लिए चयन किया गया है। आयोजक और प्रशंसक दोनों ही उत्साहित हैं, जो कंपटीटिव डांस के दुनिया में कला के नए मानकों को स्थापित करने की उम्मीद कर रहे हैं। विविध नृत्य शैलियों और सांस्कृतिक कथाओं के संगम के साथ, अनुराग्यम ने विश्व भर से कुछ सबसे उत्कृष्ट नृत्यकारों को एकत्र किया है। प्रतियोगिता बढ़ रही है, सेमीफाइनल स्थान एक अपूर्व उत्सव का प्रदर्शन करने के लिए तैयार है, जिसमें उत्साह, सटीकता, और सौगात का अद्वितीय प्रदर्शन होगा। इस सीजन 3 के सेमीफाइनलिस्टस ने एक असाधारण स्तर की समर्पण और कौशल का प्रदर्शन किया है, अनुराग्यम डांस लीग के संस्थापक सचिन चतुर्वेदी ने कहा उनके प्रदर्शन सिर्फ एक प्रतियोगिता नहीं हैं बल्कि नृत्य ने समाहित करने वाले सांस्कृतिक विरासत का एक उत्सव है। हम उत्सुक हैं देखने के लिए कि ये प्रतिभाशाली नृत्यकार हमें सभी को आश्चर्यचकित कैसे करते हैं। ममता राजक, आयोजन सचिव, कहती हैं, अनुराग्यम डांस लीग सिर्फ एक प्रतियोगिता नहीं है; यह कला की सार्वभौमिक भाषा के माध्यम से कला छाया करने के लिए एक मंच है।

श्री चमत्कारेश्वर महादेव मंदिर में भागवत कथा का तीसरा दिन

विशिष्टता प्राप्ति के लिए तप जरूरी: जगद्गुरु शंकराचार्य

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्रीमती नर्बदा देवी शर्मा धर्मपत्नी विष्णु शर्मा की पुण्य स्मृति में झोटवाड़ा रोड स्थित श्री चमत्कारेश्विर महादेव मंदिर मे चल रहे श्रीमद भागवत कथा ज्ञानयज्ञ के तीसरे दिन रविवार को विभिन्न स्थानों से आए भक्तों ने सुबह पादुका पूजन किया। इस मौके पर भागवत कथा ज्ञानयज्ञ में काशी धर्मपीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी नारायणानन्द तीर्थ स्वामी जी ने कहा कि इंसान कभी भी विशिष्टता प्राप्त करता है तो उसके पीछे उसका तप ही प्रमुख होता है। सृष्टि के आदि में ब्रह्मा की उत्पत्ति जब हुई तो उन्होंने अपने स्वरूप तथा स्वकारण का परिज्ञान तप करके ही प्राप्त किया था। तप से ही ईश्वर का साक्षात्कार संभव है। उदाहरण स्वरूप जगदुरु शंकराचार्य ने मनु सतरूपा, महाराज दशरथ,परम भागवत ध्रुव एवं प्रह्लाद आदि ने इसी के माध्यम से जीवन में जगदीश की प्राप्ति की है। भगवान शिव की आराधना करने वाला भक्त कभी दुःखी नहीं रहता। भगवान भोलेनाथ हर भक्त की सुनते हैं। भोले की भक्ति में शक्ति होती है। भगवान भोलेनाथ कभी भी किसी भी मनुष्य की जिंदगी का पासा पलट सकते हैं। बस भक्तों को भगवान भोलेनाथ पर विश्वास करना चाहिए और उनकी प्रतिदिन आराधना करनी चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि शिवलिंग की आधी परिक्रमा कर नंदी दर्शन कर पुनः लौटने पर परिक्रमा पूरी मान ली जाती है। इसी तरह तीन बार आधी परिक्रमा पर नंदी दर्शन करने से तीन परिक्रमा पूरी मान ली जाती है। बिना नंदी दर्शन के भगवान शिव की परिक्रमा पूरी नहीं मानी जाती है। इस दौरान काशी के वैदिक विद्वानों द्वारा नित्य प्रति आवाहित देवताओं की आराधना तथा श्रीमद्भागवत का मूल पारायण चल रहा है। आयोजक हरीश-ज्योति शर्मा ने बताया कि रविवार को श्रीवराह अवतार, श्रीकपिलोख्यान, श्रीशिवपार्वती चरित्र और ऋषभदेव अवतार की कथा सुनाएंगे। उन्होंने बताया कि ज्ञानयज्ञ के तहत सोमवार को श्रीप्रहलाद चरित्र, समुद्र मंथन लीला, श्रीराम जन्मोत्सव के बाद भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव मनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि महोत्सव के तहत 5को श्रीकृष्ण बाल लीला,माखनचोरी लीला व गोवर्धन लीला व 6 को श्रीमहारास लीला,गोपी गीत व द्वारिका लीला की कथा सुनाएंगे।

जैन संत मुनि श्री 108 सुयश सागर जी मुनिराज का मंगल विहार कोडरमा से भदलपुर (इटखोरी) की ओर हुआ

कोडरमा. शाबाश इंडिया। जैन संत मुनि श्री 108 सुयश सागर जी मुनिराज का मंगल विहार कोडरमा से भदलपुर (इटखोरी) की ओर हुआ। गुरुदेव के यहां से जाने की सूचना प्राप्त होने पर महिलाएं पुरुष बच्चे की आंखें हुई नम भक्तजन श्रद्धा और गुरुदेव के प्रति भक्ति आस्था से अपने आंसू को नहीं रोक पाए रोने लगे। महिलाओं बच्चियों ने गुरुदेव को निवेदन किया कि वह यहां से नहीं जाए । अपने 5 महीना के चातुर्मास प्रवास के दौरान गुरुदेव की अमृतवाणी और धार्मिक कार्यक्रम विश्व शांति महायज्ञ से पूरे जिले में धर्म प्रभावना मे वृद्धि हुई। जैन मुनि श्री 108 सुयश सागर जी महाराज,छुल्लक श्रुत सागर जी महाराज ,105 सोहम सागर जी महाराज 5 महीना तक झुमरी तिलैया के जैन मंदिर में प्रवास किया जैन धर्म में जैन मुनि चातुर्मास में एक ही स्थान पर चार-पांच महीना रहते हैं और वहीं रहकर धर्म साधना कर आत्म कल्याण करते हैं जैन संत बहता पानी रमता जोगी की तरह होते हैं पूरे भारत का भ्रमण वह पैदल करते हैं और भक्त जनों में अहिंसा सत्य शांति का दीपक प्रकाशित करते हैं पूज्य जैन संत सुयश सागर जी ने अपने प्रवास के अंतिम संबोधन में भक्त जनों को आशीर्वाद देते हुए कहा कि गुरु भक्तों को छोड़कर नहीं जाते हैं हमेशा उनके दिलों में रहते हैं उनके कल्याण की कामना करते हैं कोडरमा की नगरी धर्म नगरी है यहां के लोग बहुत ही अच्छे और धर्म प्रिय है 5 महीना आप सभी लोगों ने धर्म प्रभावना और धर्म साधना की हैं मेरा आशीर्वाद आप सभी लोगों को और पूरे जिले वासियों को है यहां के लोग धर्म के मार्ग का अनुसरण करते हुए शांति और सद्भाव से रहकर अपना आत्म कल्याण करें गुरुदेव के प्रवास के दिनों में सेकड़ो धर्म प्रेमी बंधुओं ने मुनि श्री से आशीर्वाद प्राप्त कर अपने कल्याण का मार्ग चुना ।सभी भक्तों ने गुरूवर की वाणी सुनकर अपने जीवन को सार्थक बनाने का प्रयास किया और साथ ही सभी लोगों ने कहा कि गुरूवर की वाणी हम सभी भक्तों को एक नई सिख दे कर गई हम भक्तों को अपने जीवन में एक धर्म प्रभावना की एक नई उम्मीद जगा दी है।

नवीन वेदी शिलान्यास कार्यक्रम हुआ सम्पन्न

धर्म की क्रियाएं बड़े पुण्यवान व्यक्ति ही कर पाते हैं

कामां. शाबाश इंडिया। शांतिनाथ दिगंबर जैन दीवान मंदिर में दो नवीन वेदी का शिलान्यास कार्यक्रम भारत के सबसे बड़े मुनि संघ के प्रमुख आचार्य सुनील सागर महाराज के आशीर्वाद से रिंकू जैन के निर्देशन में संपन्न हुआ। मन्दिर समिति के कोषाध्यक्ष प्रदीप जैन ने अवगत कराया कि शान्तिनाथ मन्दिर में दो नवीन वेदियों का निर्माण कराया जा रहा है जिनका शिलान्यास सत्येंद्र जैन राजेंद्र जैन, धर्मचंद, अभिषेक जैन लहसरिया परिवार एवं सुरेश चंद पदमचंद कैलाश चंद कुशल जैन अगोनिया परिवार द्वारा किया गया। कार्यक्रम में धर्म जागृति संस्थान के राष्ट्रीय प्रचार मंत्री संजय जैन बड़जात्या ने कहा कि धर्म की क्रियाएं बड़े ही पुण्यवान परिवार कर पाते हैं। उनके द्वारा अपने धन का सदुपयोग करने का मौका भी उनको ही मिलता है जिनका पुण्य प्रबल होता है। मन्दिर समिति के कार्याध्यक्ष उत्तम जैन के अनुसार आचार्य सुनील सागर महाराज के सानिध्य में फरवरी माह में भव्य पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर युवा परिषद के अध्यक्ष मयंक जैन, धर्म जागृति संस्थान अध्यक्ष संजय जैन सर्राफ, अजय जैन, शिखर चंद जैन बिट्टू, सुरेंद्र जैन बड़जात्या, मुकेश जैन सहित स्त्री व पुरुष उपस्थित रहे।

तीर्थों की रक्षा, हमारी सुरक्षा : गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी

गुंसी, निवाई. शाबाश इंडिया। प. पू. भारत गौरव श्रमणी गणिनी आर्यिका रत्न विज्ञाश्री माताजी के ससंघ सान्निध्य में दिनांक 10 दिसम्बर 2023 रविवार को श्री दिगम्बर जैन सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ गुन्सी (राज.) में भव्य आयोजन होने जा रहा है जिसमें आर्यिका ससंघ के पिच्छिका परिवर्तन व 108 फीट उतुंग कलशाकार सहस्त्रकूट जिनालय के भव्य शुभारंभ का कार्यक्रम रखा जायेगा जिसमें सभी को सम्मिलित होकर सातिशय पुण्य का अर्जन करना है। पूज्य माताजी के सान्निध्य में क्षेत्र का निर्माण कार्य तीव्र गति से चल रहा है। प्रतिदिन यात्रियों के समूह माताजी के दर्शनार्थ पहुंच रहे हैं। माताजी ने सभी को मंगल उद्बोधन देते हुए कहा कि - आज जो समाज में बिखराव हो रहा है उसका मूल कारण है हमारे हृदय में एक -दूसरे के प्रति जो ईर्ष्या की भावना भरी है। जिस दिन दिल से अहंकार निकल गया। वैर - भाव दूर हो गया उसी दिन हमारी समाज में एकता आ जायेगी। मंदिर जाकर भगवान के दर्शन करने से ही हमें मंदिर का फल नहीं मिलता बल्कि जिस दिन हम अपने मन को अंदर ले जाएंगे। उस दिन सच में हम मंदिर का अर्थ समझ पाएंगे। आज देश में नई सरकार आने वाली है। सभी को इंतजार है कि कांग्रेस आएगी या भाजपा। पर मैं सभी जैन समाज से कहना चाहूंगी चाहे कोई भी सरकार आये हमें मिलकर हमारे जैन तीर्थों के संरक्षण की अपील सरकार से करना चाहिए। हमारी जैन संस्कृति, तीर्थ, सन्तों का जब तक सम्मान बना रहेगा तब तक जैन धर्म का नाम चलता रहेगा। अन्यथा किसी भी धर्म के द्वारा हमारे प्राचीन तीर्थ हमसे छीन लिए जायेगा। जैन समाज एकता के सूत्र में बंधी रहे तो कोई हमारे तीर्थो को नहीं छीन पायेगा। तीर्थों की रक्षा, हमारी सुरक्षा है।

हीरा पथ जैन समाज समिति के धन कुमार कासलीवाल अध्यक्ष, सुरेंद्र कुमार जैन मंत्री बने

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिगम्बर जैन समाज समिति हीरा पथ मानसरोवर में अध्यक्ष धन कुमार कासलीवाल एवं सुरेन्द कुमार जैन मंत्री पांचवी बार निर्विरोध चुने गए। श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन समाज समिति हीरा पथ मानसरोवर जयपुर के वर्ष 2023-25 के चुनाव प्रशांत त्यागी एवं अजीत जैन के सानिध्य में सम्पन्न हुए। धन कुमार कासलीवाल अध्यक्ष एवं सुरेन्द्र कुमार जैन मंत्री पांचवी बार निर्विरोध चुने गये। मंत्री पद के लिए वीरेन्द्र कुमार जैन लदाना वालों ने नामांकन पत्र भरा लेकिन समाज हित मे नाम वापिस लेकर समाज को एकजुटता का संदेश दिया। कार्यक्रम में वार्ड संख्या 72 के पार्षद पारस जैन, महिला मंडल की अध्यक्षा श्रीमति तारा मणि गोधा, युवा मंडल के विवेक कासलीवाल एवं समाज के कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

एक पाठक की नजर में...

क्यों जीती भाजपा तीन राज्यों में...?

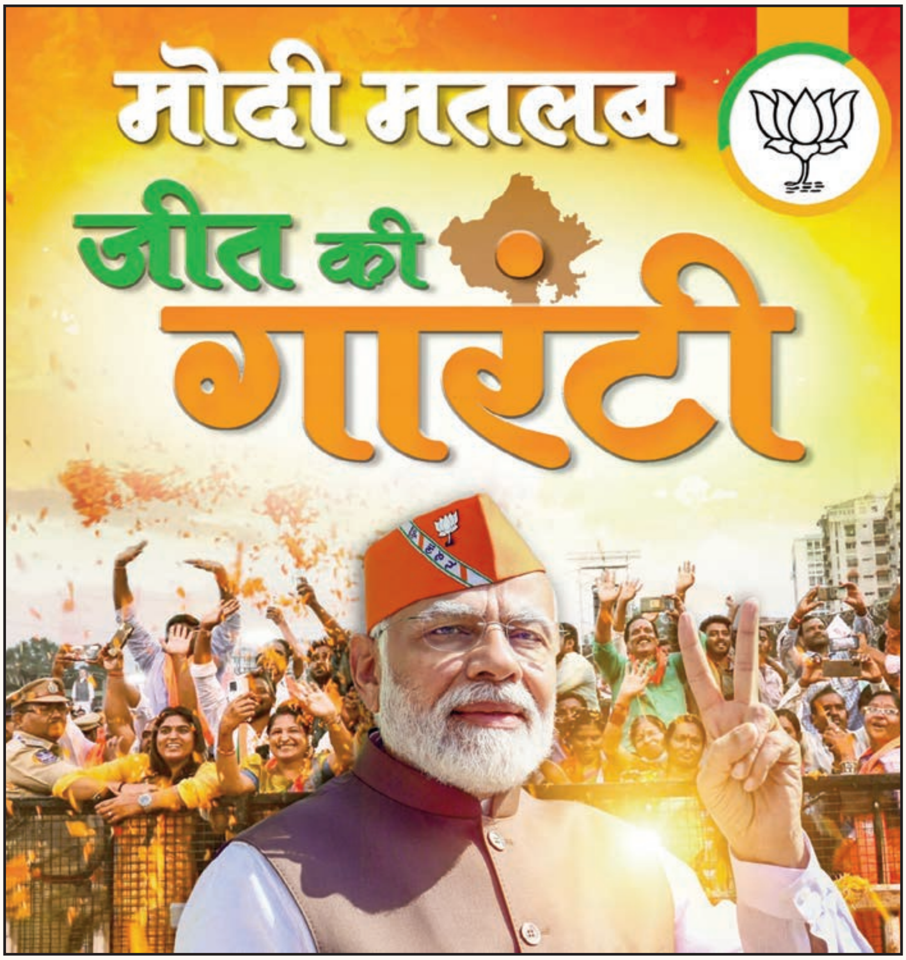

कोई शक नही कि मोदी एक ब्रांड बन चुके हैं। भाजपा की एक अलग से प्रचार संस्था है जिसे हम ''आरएसएस'' कहते हैं। इसी के 'स्वयं सेवक' घर-घर जा कर इलेक्शन की बागडोर संभालते हैं। दूसरी ओर कांग्रेस है जिसका एक कार्यकर्ता नहीं दिखा जो घर घर जाकर पर्चियां बंटता हो। यह पार्टी अपने 50/55 साल के राज को भुनाते भुनाते खुद भट्ठी में चने की तरह भून गई। कब तक विरासत और कांग्रेस के इतिहास के नाम पर वोट मांगोगे? माफ करना, मुझे कहना नही चाहिए यदि कांग्रेस के हिस्से में आए मुस्लिम मतदाताओं के वोट निकाल दो तो लगभग सभी प्रत्याशियों की जमानते जब्त हो जायेंगी। मुस्लिमों की अनुकम्पा से जीतने वाली पार्टी की यही विशेषता आने वाले समय में इसकी

कमजोरी बन गई और वो इसे अपनी ताकत का भ्रम पाले रही। कांग्रेस ने समूची मुस्लिम कौम पर उसकी विलक्षण प्रतिभा के विपरीत उस पर ''कांग्रेस वोट बैंक'' का लेबल चस्पा दिया। इस कौम का स्वरूप ही बिगाड़ दिया। कांग्रेस के पिछलग्गू मुस्लिम नेताओं ने अपनी पार्टी को कभी कटघरे मे नही रखा कि बरसों से सत्ता सुख दिलाने वाली मुस्लिम कौम की शैक्षणिक, आर्थिक, सामाजिक दशा क्यों नही सुधरी, पार्टी सिर्फ वोटों का सुख ही प्राप्त करती रही? अल्प संख्यक सीढ़ी पर चढ़ कर सत्ता सुख लेना विशाल हिंदुओं को यह अहसास दिलाता है कि हम भारत के मूल वासी और निर्माणकर्ता हैं और हमारे विखंडन के कारण कांग्रेस मुस्लिमों के कुछ लाख वोट लेकर हमारे करोड़ों वोटों को निष्क्रिय कर देती है। और 55 सालों से जीतती आ रही है। इस नुक्ते को मोदी ने पहचाना और ''हिंदू कार्ड'' चला इसी को हिंदू पोलराइजेशन कहते हैं। यह इतनी तीव्रता से हुआ कि 9 साल में सब बदलने लग गया। जैसे हिंदुओं को सदियों की गुलामी से आजादी मिली हो। सांस लेने को खुली हवा मिली हो। आम हिंदू सोचने लगा कि जब मुस्लिम देश इस्लाम की धुरी पर अपना देश चला सकते है तो हिंदू, राम - कृष्ण के नाम पर राज क्यों नही कर सकते? कांग्रेसी नेता/प्रवक्ता सेकुलरिज्म और संविधान की दुहाई देते रहे पर हिंदू अंदर ही अंदर अपनी जात बिरादरी को दरकिनार कर एकजुट होता गया किसी को भनक भी नही लगी और रिजल्ट इन तीन राज्यों की जीत में प्रलक्षित हुआ। जब हिंदुइज्म को दरकिनार और उसकी अहमियत को ही नजदाज किया जा रहा हो तो सेकुलरिज्म को पाल कर क्या हासिल कर लेंगे...? यह सोच बनाने लग गई थी हिंदुओं की। इन हालातों को भाजपा विशेषकर मोदी ने समझा और उन्होंने समूची भाजपा को मुस्लिम विहीन बनाना शुरू किया। आज उनकी पार्टी में न कोई मुस्लिम पदाधिकारी है न ही मुस्लिम प्रत्याशी, यह खुला संदेश था मुस्लिमों को। इसी से हिंदुओं में विश्वास जागा कि कोई तो है राम की चिंता करने वाला। 80 करोड़ हिंदुओं की काट मुसलमानों के तुष्टिकरण से नहीं हो सकती, अब यह तय हो गया है।

ओंकार सिंह, जवाहर नगर, जयपुर 9998222606

मालवीय नगर विधानसभा क्षेत्र से भारी मतों से जीतने पर श्री कालीचरण सराफ को बधाई देते हुए जयपुर व्यापार महासंघ के महामंत्री सुरेन्द्र बज

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com